डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 265 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 09 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

गांधी सागर के तेंदुएं अन्य अभ्यारण्य में होगे शिफ्ट

एक से दूसरे स्थान पर शिफ्टिंग पर आपत्ति, चीतों के आने से पहले खतरों को रास्ते से हटाने की कवायद

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गांधी सागर में चीते बसाने की योजना पर काम लगभग पुरा हो चुका है। लेकिन, चीतो के लिए सबसे बड़ा खतरा तेंदुए बन रहे है। जांच दल द्वारा तेंदुओं के चीता प्रोजेक्ट के क्षेत्र में होने पर आपत्ति जताने के बाद उन्हें गांधी सागर में अज्य जगह शिफ्ट करना शुरु किया गया है। लेकिन, इस पर भी चीता स्टीयरिंग कमेटी और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के सदस्यों ने आपत्ति जताई। कहा गया कि इन्हें अभ्यारण्य से बाहर दूसरे टाइगर रिजर्व या अभयारण्यों में शिफ्ट करो। असल में बारिश के बाद गांधीसागर में चीते लाए जाने हैं। मध्य प्रदेश में चीतों की शिफ्टिंग दक्षिण अफ्रीका से होनी है। इसे लेकर अभयारण्य के अंदर कई दौर की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। दक्षिण अफ्रीका व चीता स्टीयरिंग कमेटी के अधिकारी मुआयना कर चुके हैं। जिसमें यह तय हुआ था कि अभ्यारण्य के अंदर

मौजूद 24 तेंदुओं को चीतों के लिए तैयार बाड़ा क्षेत्र से बाहर करें।

अब बनाई यह योजना...

विशेषज्ञ और अधिकारियों की आपत्ति के बाद वन विभाग ने मंदसौर के गांधी सागर अभ्यारण्य से चार तेंदुओं को अभ्यारण्य के अंदर ही एक से दूसरे क्षेत्र में शिफ्ट कर दिया था। ये शिफ्टिंग बीते महीने की थी। जब बात चीता स्टीयरिंग कमेटी के पास पहुंची तो विशेषज्ञों ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अंदर शिफ्टिंग के बजाय शेष तेंदुओं को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व , खिवनी अभयारण्य समेत दूसरे रिजर्व अभयारण्यों में शिफ्ट किया जाए। चीता

पहला प्रोजेक्ट निरस्त, दस वर्षीय प्लान स्वीकृत...

वन विभाग ने वन मंडल मंदसौर के अंतर्गत गांधी सागर अभ्यारण्य अंतर्गत चीता पुनर्वास के लिए वन्य प्राणी संरक्षण एवं रहवास विकास कार्यों के लिए 31 अगस्त 2022 को 84 लाख रुपये के चार वर्षीय प्रोजेक्ट को स्वीकृत किया था। लेकिन अब इस प्रोजेक्ट को निरस्त कर दिया गया है। इसके पीछे कारण बताया गया कि यह प्रोजेक्ट वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन प्लान के अनुरूप नहीं था। इसके स्थान पर अब 10 वर्षीय प्लान स्वीकृत किया गया है, जिसमें 43 लाख 20 हजार रुपये की राशि मंजूर की गई है। यह राशि टाइगर फाउंडेशन समिति से ली जाएगी।

परियोजना से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि तेंदुओं को दूसरे रिजर्व फारेस्ट व अभ्यारण्यों में भेजने की योजना बना ली है।

इसलिए तेंदुआ बन रहे चीतों के लिए खतरा...

चीते देने से पहले निरीक्षण करने वाले दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञों ने शर्त रखी थी कि पहले एमपी में चीतों के दूसरे घर गांधी सागर अभ्यारण्य से तेंदुओं को बाहर करें, क्योंकि उनकी मौजूदगी से दोनों में द्वंद्व शुरू हो जाएगा। शाकाहारी वन्यप्राणियों की कमी भी हो सकती है। इसके बाद वन विभाग के अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया ने तेंदुओ को खदेडने के निर्देश दिए थे। बता दें, चीता परियोजना-1 की सफलता के बाद गांधी सागर अभयारण्य में चीते लाए जाने हैं। दो बार विशेषज्ञ दौरा कर चुके हैं। मार्च में आए दल को तेंदुए के होने के साक्ष्य मिले थे।

नामांतरण सहित कई काम अब आनलाईन होंगे

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नई सरकार के आदेश के बाद से मध्य प्रदेश में पटवारियो की भूमिका सीमित होगी। अब घर बैठे रजिस्ट्री, ई रजिस्ट्री, नामांतरण से लेकर साइबर तहसील तक सबकुछ ऑनलाइन होगा। इससे भ्रष्टाचार पर भी कुछ हद तक रोक लग सकेगी। बता दें कि कई पटवारियों पर रिश्वत के आरोप लगते रहते हैं। मंदसौर जिले में ही कई पटवारी रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त के हत्थे चढ़ चुके हैं।

लोगों को अब तहसील के चक्कर लगाने और राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार से छुटकारा मिलने वाला है। यहां जल्द ही पटवारी की भूमिका ही सीमित होने जा रही है। यानी कुछ दिनों में ही आप घर बैठे प्रापर्टी की रजिस्ट्री कर सकते हैं। ई-रजिस्ट्री से लेकर साइबर तहसील तक सब कुछ ऑनलाइन होने जा रहा है। सुविधा के लिए मोबाइल एप और ऑनलाइन पोर्टल तैयार हो रहा है, जिसमें ये सुविधा मिलेगी। इसी के साथ नगर और ग्राम निवेश में किसी भी जमीन का लेआउट मंजूर करने की प्रक्रिया भी आसान हो जाएगी।

दरअसल मध्य प्रदेश में राजस्व के मामलों में भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आते हैं। जिसके बाद जनता की सुविधा के लिए सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। इस सॉफ्टवेयर की मदद से दस्तावेजों का ऑनलाइन पोर्टल पर ही पंजीयन किया जा सकेगा। वहीं नामांतरण भी इसी से लिंक होगा। आरसीएमएस पोर्टल पर तहसील के सभी राजस्व मामलों को अपलोड किया गया है। इस सुविधा के बाद अब पटवारी की भूमिका काफी सीमित हो जाएगी।

राजस्व पोर्टल पर रियल टाइम भू अभिलेख अपडेट होने से पटवारी की भूमिका सीमित हो जाएगी। 07 से 15 दिन में शिकायतों और आवेदनों का निराकरण हो सकेगा। ऑनलाइन पोर्टल पर मामलों की तहसीलदार से लेकर एसडीएम, एडीएम व कलेक्टर कोर्ट में क्या तारीख और स्थिति है या ऑर्डर को देखा जा सकेगा है। टीएंडसीपी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित पोर्टल पर पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो गयी है। लैंड रिकॉर्ड सॉफ्टवेयर से इसे जोड़ा गया है, जिससे जमीन का खसरा नंबर दर्ज करते ही उसका मौजूदा उपयोग, जीआइएस स्टेटस और अन्य बकाया पता चल जाता है।

अब सरकारी कालेजों में लागू होगा ड्रेस कोड

जींस-टीशर्ट को ना, पेन्ट-शर्त और सलवार-कुर्ती पहनकर आना होगा

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरकारी कॉलेजों में अब स्टूडेंट जींस-टीशर्ट पहनकर नहीं जा सकेंगे। राज्य सरकार ने स्टूडेंटस के यूनीफार्म को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया है। सभी कॉलेजों में ड्रेस कोड इसी शिक्षण सत्र से लागू होगा। इसके बाद छात्र पैंट-शर्ट और छात्राएं सलवार-कुर्ती पहनकर कॉलेज जाएंगी। उच्च शिक्षा विभाग ने यूनिफॉर्म के रंग को तय करने का जिम्मा कॉलेजों को सौंपा है। जनभागीदारी समिति और कॉलेज प्रबंधन मिलकर ड्रेस कोड तय करेंगे। विभाग का तर्क है कि यूनिफॉर्म लागू होने से छात्र-छात्राओं के बीच समानता की भावना पैदा होगी। साथ ही कॉलेजों में सुरक्षा प्रबंध भी सुनिश्चित किए जा सकेंगे।जानकारी के लिए बता दें कि प्राइवेट कॉलेजों के साथ-साथ ऑटोनॉमस और अनुदान प्राप्त कॉलेजों में ड्रेस कोड पहले से ही लागू है।

यह होगा फायदे...

सरकारी कॉलेजों में ड्रेस कोड लागू होने के बाद छात्र पैंट-शर्ट और छात्राएं सलवार-कुर्ता पहनकर कॉलेज आएंगी। विभाग ने यूनिफॉर्म के रंग को तय करने का जिम्मा कॉलेजों को सौंपा है। विभाग ने तर्क दिया है कि कॉलेजों में यूनिफॉर्म लागू होने से छात्र-छात्राओं के बीच एकरूपता और समानता की भावना पैदा होगी। वहीं गरीब-

अमीर के साथ धर्म-जाति का भेद भाव भी नहीं रहेगा। साथ ही ड्रेस कोड पहनने के बाद स्टूडेंट्स के मन-मस्तिष्क में पढ़ाई के प्रति ज्यादा रुचि पैदा होगी।

स्मैक तस्कर को तीन साल की सजा, जुर्माना भी लगाया

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट मंदसौर द्वारा आरोपी चेतन पिता जगदीश पाटीदार आयु 29 वर्ष को अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने का दोषी पाकर 3 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 25 हजार रूपये जुर्माने से दंडित किया गया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने घटना के संबंध में बताया कि 07 जुलाई 2016 को पुलिस थाना वायडी नगर में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक सुभाष गिरी को मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक 20-21 वर्षीय व्यक्ति जो हॉफ आस्तीन की टी शर्ट पहने है तथा नीले रंग की जींस की पेंट पहने है, वह स्मैक पीजी कॉलेज के सामने किसी को देने वाला है। उक्त सूचना विश्वसनीय होने से मय फोर्स एक टीम को तत्काल रवाना कर पीजी कॉलेज के यहां नाकेबंदी की। कुछ देर बाद लगभग 04:30 बजे मुखबीर के बताए हुए हुलिए का व्यक्ति आता दिखा। जिसे फोर्स की मदद से रोका गया, नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम चेतन पाटीदार बताया। उसकी तलाशी के दौरान आरोपी की पेंट की दाहिनी जेब से एक प्लास्टिक की सफेद रंग की थैली मिली, उक्त थैली को खोलकर देखने पर उसमें भूरे रंग का स्मैक जैसा पाउडर भरा हुआ था। उक्त मादक पदार्थ का परीक्षण किया गया तो स्मैक होना पाया गया। उक्त मादक पदार्थ का तौल किये जाने पर कुल वजन 60 ग्राम होना पाया गया, मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर पंचनामा बनाया गया।

आरोपी के विरूद्व पुलिस थाना वायडी नगर में अपराध धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। विवेचना की अन्य औपचारिकताएं पूर्ण करने के पश्चात आरोपी के विरूद्व अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान प्रकरण में न्यायालय के समक्ष विशेष लोक अभियोजक द्वारा रखे गये तथ्यो व तर्को से सहमत होकर साक्ष्य के आधार पर न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का संचालन विशेष लोक अभियोजक श्री दीपक जमरा द्वारा किया गया।

विद्युत मोटर चोर गिरफ्तार

कुओ से मोटर चुराने वाला धराया, मोटर के साथ केबल भी जप्त

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने विद्युत मोटर चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरी की मोटर और विद्युत केबल भी जप्त की है।

पुलिस ने बताया कि 05 जुलाई को जीवन पिता बलराम प्रजापत निवासी मुण्डला फोजी ने थाना उपस्थित होकर अपने खेत पर लगी विद्युत मोटर मय केबल के चोरी कर ले जाने संबंधी रिपोर्ट थाना सीतामऊ पर की थी। जिसकी रिपोर्ट पर से थाना सीतामऊ पर अपराध पंबीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौराने विवेचना प्रकरण मे आरोपी सत्यनारायण पिता कनीराम सूर्यवंशी उम्र 35 साल निवासी तम्बोलिया से पुछताछ कर चोरी गई पानी की विद्युत मोटर व 400 फीट केबल जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

कुत्ते से टकराई बाइक, दंपती घायल

नीमच, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जीरन थाना क्षेत्र के हरकिया खाल बालाजी मंदिर के पास सोमवार को एक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में बाइक सवार दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। दरअसल बाइक सवार दंपती संजय पिता पारसमल उम्र 40 वर्ष और उनकी पत्नी सीमा पति संजय उम्र 38 वर्ष दोनों बाइक पर सवार होकर नीमच से जीरन की ओर आ रहे थे। तभी बालाजी मंदिर के पास अचानक एक कुत्ता दौड़ते हुए बाइक के सामने आ गया। जिससे बाइक बेकाबू होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे बाइक सवार दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को उठाया और हादसे की जानकारी एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि बाइक सवार दंपती जावद थाना क्षेत्र के धामनिया गांव के रहने वाले हैं। जो किसी काम से जीरन की ओर जा रहे थे।

नालीखेड़ा के पांच घरों में चोरी

पिपलियामंडी, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गांव नालीखेड़ा में बीती रात्रि चोर पांच घरों का ताला तोड़कर लाखों के सोने-चांदी के जेवर, नकदी व अफीम पोस्तादाना चोरी कर ले गए। जानकारी के अनुसार गांव में गट्टूसिंह पिता मोहनसिंह राजपूत के घर से एक क्विंटल पोस्तादाना, डेढ लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर व 20 हजार रुपए नकदी, मंगलगिर पिता कैलाशगिर गोस्वामी के यहां से चांदी के ..... **शेष पेज 4 पर**

दस हजार का इनामी आरोपी पकड़ाया

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नई आबादी थाना पुलिस ने 10 हजार रुपए के इनामी फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी नीमच नारकोटिक्स विंग के मादक पदार्थ की तस्करी के मामले में फरार था, जिसे गिरफ्तार गया है।

नई आबादी थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया ने जिले में अपराधियों पर ठोस कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया था। इसके चलते नई आबादी थाना टीआई वरुण तिवारी की टीम ने मुखबीर सूचना पर तस्करी के मामले में फरार 10 हजार के इनामी बदमाश उदयसिंह पिता ढोकलसिंह निवासी रिछा गुर्जर थाना रिंगनोद जिला रतलाम को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स विंग नीमच में प्रकरण दर्ज है। आरोपी काफी समय से फरार था, जिसे मंदसौर नई आबादी पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

एक और नाला दफन करने की तैयारी

अभिनंदन नगर के शांतनु विहार के यहां पुराने नाले में भराव डालकर पाइप डालने की तैयारी पूरी हो गई। जल्द ही पाईप डालकर नाले को नाली बना दिया जाएगा।

मुंडला डेरे के कंजर को पुलिस ने दबोचा, चोरी गया माल बरामद

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। राजस्थान के मुंडला डेरे के कंजरों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पकड़े गए चोरो के कब्जे से पुलिस ने चोरी गया सामान भी बरामद किया है।

सीतामऊपुलिस ने बताया कि ग्राम खेताखेडा में हुई बड़ी चोरी को ट्रेस करते चोरी के आरोपी सूरज पिता तूफान कंजर निवासी मुंडला डेरा जिला झालावाड को गिरफ्तार कर चोरी में गया मश्रुका बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

पुलिस ने बताया मुकेश पिता मोहनलाल बलाई ने अपनी किराना दुकान से सामान तथा नगदी तथा पास ही दो अन्य मकानों में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी करने के संबंध में थाना सीतामऊपर रिपोर्ट की थी। मामले में थाना सीतामऊ पर अपराध धारा 331(4), 305 बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान सम्पति संबधी आरोपियों के निवास स्थान पर दबिश तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर ग्राम मुंडला डेरे के निवासी चोरों द्वारा वारदात को अंजाम देना पाया गया। जिस पर आरोपी सूरज पिता तूफ़ान कंजर निवासी मुंड्ला डेरा जिला झालावाड को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई। आरोपी सूरज कंजर के अन्य साथियों को पुलिस तलाश रही है।

प्रदेश में हारे हुए बूथों पर मजबूत पकड़ बनाने में जुटेगी भाजपा

भोपाल, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में हारे हुए बूथों की भाजपा अब समीक्षा कर मजबूत पकड़ बनाने में जुटेगी। इसके लिए नए सिरे से रणनीति बनाकर काम किया जाएगा। भाजपा भले ही लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत के साथ जीती हो। लेकिन, विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में हारे हुए बूथ अब भी पार्टी के लिए चुनौती है। भाजपा केंद्र में भी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार नहीं बना पाई है। ऐसे में इससे सबक लेते हुए भाजपा अब हारे हुए 20 प्रतिशत बूथों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए पसीना बहाएगी। इसके लिए आगामी दिनों में बूथवार विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। इन आयोजनों में विधायक और सांसद को अनिवार्य रूप से शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं।

पोलिंग एजेंटों को करेंगे सम्मानित...

जिला और मंडल स्तर की कार्यसमिति की बैठक आयोजित की जाएगी। 09 से 12 जुलाई तक प्रदेश के सभी जिलों की कार्यसमिति की बैठकें होगी। जिन जिलों में 09 जुलाई को बैठक हो जाएगी, वहां 10 से 15 जुलाई के मध्य मंडल स्तर की कार्यसमिति की बैठकें होगी। 13 से 20 जुलाई के मध्य शक्ति केंद्रों के सम्मेलन आयोजित किया जाएंगे और पोलिंग एजेंटों को सम्मानित किया जाएगा।

सभी बूथों पर सुना जाएगा मन की बात कार्यक्रम...

28 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सभी बूथों पर सुना जाएगा। सरकार के सभी सांसद-विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र के किसी एक बूथ पर पहुंचकर कार्यक्रम सुनेंगे और बूथ की बैठक में शामिल होंगे। 21 जुलाई को गुरूपूर्णिमा का कार्यक्रम भी पार्टी द्वारा बूथ स्तर तक मनाया जाएगा। इसके साथ ही 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस, 14 अगस्त को भारत विभाजन विभीषिका दिवस को लेकर कार्य... आयोजित किए जाएंगे। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम भी पार्टी कार्यकर्ता मनाएंगे।

हार-जीत की समीक्षा करेगी भाजपा...

✻ सात विधानसभा ऐसी हैं, विधानसभा चुनाव में जीते, लेकिन लोकसभा चुनाव में हारे। ✻ ग्वालियर चंबल में पार्टी कमजोर, यहां कार्यकर्ताओं को जुटाया जाएगा। ✻ विंध्य क्षेत्र में केवल एक सीट हारे, दो प्रतिशत वोट शेयर कम हुआ है। ✻ बुंदेलखंड में भाजपा सारी सीटें जीते, 67 प्रतिशत वोट चारों ...कसभा सीटों पर ...मेला। ✻ उज्जैन में एक सीट हारे, यहां भी कार्ययोजना बनाकर किया जाएगा काम। ✻ ...019 में 58 प्रतिशत ...शेयर, इस लोकसभा चुनाव में 59.27 प्रतिशत वोट मिला। ✻ 80.56 प्रतिशत बूथ जीतें, 20 प्रतिशत बूथ मध्य प्रदेश में हारी है भाजपा। ✻ भाजपा के पक्ष में एससी वोट 0.6 प्रतिशत और एसटी का 1.5 प्रतिशत वोट बढ़ा।

विचार-मंथन

भारत–चीन : रिश्तों में दिखी सुधार की उम्मीद

भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में गतिरोध को जल्द से जल्द हल करने पर सहमत हुए हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गत गुरुवार को कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ बैठक कर इस मसले पर विस्तार से बातचीत की। इस दौरान भारत ने अपना रुख दोहराते हुए कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का सम्मान करने के साथ ही सीमा पर शांति बहाली आवश्यक है। इससे दोनों देशों के बीच सीमा पर हालात सामान्य होने और द्विपक्षीय संबंधों में सुधार को लेकर उम्मीद की एक नई किरण नजर आई है। दरअसल, विदेश मंत्री ने अपने चीनी समकक्ष के साथ वार्ता में साफ कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध पारस्परिक सम्मान, आपसी हित और संवेदनशीलता पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सीमा पर शांति और द्विपक्षीय संबंधों में स्थिरता तभी आएगी, जब सीमा प्रबंधन के लिए अतीत में दोनों पक्षों के बीच हुए द्विपक्षीय समझौतों और नियमों का पूरी तरह पालन किया जाएगा। भारत-चीन के बीच एलएसी पर शांति बनाए रखने के लिए अतीत में कई समझौते हुए हैं, जिनमें यह बात भी शामिल रही कि कोई भी देश सीमा विवाद को लेकर एक-दूसरे के खिलाफ सेना या किसी अन्य तरह के बल का प्रयोग नहीं करेगा और एलएसी के जिन इलाकों को लेकर सहमति नहीं बनी है, वहां सैन्य गश्त नहीं होगी। दोनों देशों की सीमा पर यथास्थिति बनी रहेगी। मगर सवाल है कि क्या चीन की ओर से इन बातों पर अमल को लेकर कभी गंभीरता दिखाई गई? यह छिपा नहीं है कि चीन की सेना की ओर से समय-समय पर इन समझौतों का उल्लंघन किया जाता रहा है, सीमा पर गलत तरीके से घुसपैठ करके भारत के लिए मुश्किल पैदा करने की कोशिश की जाती रही है। मई, 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी की घटना चीन की इसी हरकत का नतीजा थी, जब चीनी सेना समझौते को तोड़कर पूर्वी लद्दाख में निर्धारित बिंदुओं से आगे बढ़कर गश्त करने पहुंच गई थी। भारतीय सुरक्षाबलों ने इसका विरोध किया और दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। तब से लेकर पूर्वी लद्दाख में गतिरोध बरकरार है। अरुणाचल प्रदेश में चीन की दखलअंदाजी छिपी नहीं रही है। ऐसा नहीं कि इस गतिरोध को खत्म करने के प्रयास नहीं हुए। हालांकि दोनों पक्ष टकराव वाले कुछ क्षेत्रों से पीछे हटे हैं, पर चीन की चालबाजी से ये प्रयास पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं। इस मसले पर दोनों देशों के बीच सैन्य स्तर की कई दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन इनका कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पाया है। भारत-चीन के सैन्य कमांडरों के बीच पिछली वार्ता इसी साल फरवरी में हुई थी, जिसमें दोनों पक्ष सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत हुए, लेकिन गतिरोध के स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। अब भारत-चीन के विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता के जरिए नए सिरे से कूटनीतिक प्रयासों ने इस मसले को सुलझाने के लिए नया आधार दिया है। इस बैठक में दोनों पक्ष इस बात पर भी सहमत हुए कि सीमा क्षेत्रों में वर्तमान में जो हालात हैं, उन्हें लंबा खींचना किसी के भी हित में नहीं है। मगर सवाल यह भी है कि क्या चीन अपने कूटनीतिक वक्तव्यों को यथार्थ की शक्ल देगा? यह इस बात पर निर्भर करता है कि चीन इस वार्ता के निष्कर्षों पर अमल को लेकर कितनी ईमानदार इच्छाशक्ति रखता है।

पुलों का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण...

ललित गर्ग

बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली हैं। जैसी खबरें हैं, अकेले बुधवार, यानी 3 जुलाई को ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में पांच पुल-पुलिया धराशायी हो गए। इनमें सिवान में छाड़ी नदी पर बने दो पुल शामिल हैं। इससे पहले दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान है। इस हादसे के कारण अनेक वाहन क्षतिग्रस्त हुए एवं एक व्यक्ति की मौत हो गई और 8 लोग घायल हुए थे। सभी को इस बात की हैरानी हो रही है कि देश के सबसे प्रमुख हवाईअड्डे पर इस तरह का हादसा कैसे हो सकता है? मुंबई में भी घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। इन पुलों के गिरने एवं अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चाहे राजनीति की हो, सामाजिक हो, पारिवारिक हो, धार्मिक हो, औद्योगिक हो, शैक्षणिक हो, चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। पुल के गिरने से जितने पैसों की बर्बादी हुई, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? बिहार में पुल गिरने की ताजा घटनाएं कोई पहली नहीं है। इससे पहले पिछले साल भर में सात पुलों के ढह जाने की खबरें आई थी।

जाहिर है, इन पुलों के ढहने एवं गिरने से कई गांवों का आपस में सीधा संपर्क टूट गया है और मानसून के मौसम में उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं। बरसात के मौसम में जर्जर ढांचों के गिरने की घटनाएं ज्यादा घटती हैं और इसीलिए सभी राज्यों में स्थानीय प्रशासन मानसून आने से पहले ही उनकी पहचान कर उनका इस्तेमाल प्रतिबंधित कर देता है। मगर पुल कोई रिहाइशी इमारत नहीं, जिसमें चंद परिवार या कुछ लोग रहते हों, और जिसे एहतियातन खाली करा लिया जाए। ये पुल ग्रामीण लोगों के जीवन की अनिवार्यता एवं जीवनरेखाएं हैं। उच्च तकनीक और प्रौद्योगिकी के मौजूदा समय में उच्च लागत के बावजूद छोटी नदियों और नहरों पर बनने वाले पुल भी यदि चंद वर्षों में या बनते ही धराशायी हो जाएं, तो इसको कुदरती कहर का नतीजा नहीं, आपराधिक मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार एवं सरकारी धन का दुरुपयोग ही मानना चाहिए। बिहार में सिवान की जिस नदी पर दो पुलों के ढहने की घटना घटी है, वह मृत हो चुकी थी और उसे जल-जीवन हरियाली अभियान के तहत पुनर्जीवित किया गया था। निस्संदेह, इसके लिए राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन सराहना के पात्र हैं। आखिर इस नदी के जिंदा होने से हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई को बल मिला है। मगर क्या उसी तंत्र को यह भी नहीं सुनिश्चित करना चाहिए था कि जो पुल जर्जर अवस्था में हैं, उनका विकल्प भी साथ-साथ तैयार किया जाए? इस तरह बार-बार पुलों का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। ये पुल हादसें एवं ध्वस्त होने की घटनाएं बिहार में सरकारी भ्रष्टाचार के चरम पर होने को ही बल देती है। ऐसा नहीं है कि बिहार में ही ऐसे हादसें हो रहे हैं। गुजरात के मोरबी पुल हादसे को लोग अब भी नहीं भूले हैं। इस हादसे में 135 लोगों की मौत हो गई थी। सात साल पहले कोलकाता में विवेकानंद पुल के ढहने से 26 लोगों की मौत की घटना भी सबको याद होगी। सिर्फ बिहार में पुलों का यूं ढहते जाना ही चिंता की बात नहीं है, दूसरे तमाम राज्यों से भी चमचम सड़कों पर बनते गड्ढों और नए निर्माण के दरकने की खबरें लगभग रोजाना सुर्खियां बटोर रही हैं। इसलिए बेहतर होगा कि तमाम सार्वजनिक निर्माण में पारदर्शिता, ईमानदारी एवं आधुनिक स्थापित मानकों की गारंटी सुनिश्चित की जाए और इसमें किसी किस्म की कोताही बरतने वाले की जिम्मेदारी तय हो। देश भर में तमाम पुराने पुलों की समीक्षा के साथ-साथ उनके रखरखाव या वैकल्पिक पुल के निर्माण को लेकर ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। इतना तय है कि ये सभी पुल अगर भरभरा कर गिर रहे हैं तो इनकी डिजाइन गलत होने से लेकर उसमें उपयोग होने वाली सामग्री के घटिया होने का भी साफ संकेत है। लेकिन जिस तरह सरकार इन एवं ऐसे पुलों की गुणवत्ता और जोखिम का अध्ययन करा रही थी, क्या उसके निर्माण के दौरान या उससे पहले डिजाइन सहित उसके हर कसौटी पर बेहतर होने के लिए जांच कराना सुनिश्चित नहीं कर सकती थी? यह तय है कि इन पुलों के निर्माण में व्यापक खामियां थीं और ये भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये। सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को पुल निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती है, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषतः राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरुद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। हादसों का एक बड़ा कारण जांच में दोषी और जिम्मेदार ठहराए गए अधिकारियों एवं ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का न होना भी है। बिहार, दिल्ली, मुम्बई, गुजरात हादसों के दोषियों को बचाने के प्रयास भी सबके सामने हुए हैं। हर हादसे के बाद लीपापोती के प्रयास खूब होते हैं। हादसे में मरने वालों के परिजनों को मुआवजा बांटकर ही अपनी जिम्मेदारी पूरी समझने वाली सरकारों को इससे आगे बढ़ना होगा।

कहने और सुनने का फर्क...

राकेश सोहम

लोग प्रकृति, पर्यावरण, जल संरक्षण और बिजली बचत के बारे जागरूक होते। मगर ऐसा हो नहीं रहा है। दरअसल, हमें अनसुना करने की आदत हो गई है। जो हम सुनना चाहते हैं, वही सुनते हैं। आमतौर पर माना जा सकता है कि अगर सुनने वाले की श्रवण इंद्रियां ठीक हैं और कहने वाले की जुबान स्पष्ट है, तो वही सुना जाएगा जो कहने वाले ने कहा है। हालांकि कई बार ऐसा होता नहीं है। विचारक मानते हैं कि कहने और सुनने में फर्क तो होता ही है। आपसी कहा-सुनी हो जाने का कारण भी यही है। जो कहा गया है, वही सुना जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। एक वैज्ञानिक तथ्य के अनुसार 'वाइस डिस्टार्शन' या किसी बात का अलग स्वरूप में पहुंचना भी एक कारण है। अमूमन हम जो कहते हैं सामने वाले को वही सुनना चाहिए, लेकिन कहने और सुनने में फर्क के कारण लोगों में वैचारिक मतभेद हो जाते हैं। दो साथियों के बीच विवाद हो जाता है। बोलचाल बंद हो जाती है। पारिवारिक विवाद की स्थिति खड़ी हो जाती है। ऐसा क्यों होता है? किसी व्यक्ति के मुख से निकले शब्द जिस अर्थ को लेकर चलते हैं, वे सुनने वाले पर अलग प्रभाव छोड़ते हैं। सुनने वाला उसे अपने अर्थ में सुनता है। कोई व्यक्ति किसी प्रवचन सभा में बैठा हो। प्रवचन कर्ता कोई सूत्र वाक्य कहता है तो वह उसे बड़े ध्यान से सुन लेता है। ठीक वही वाक्य कोई दूसरा व्यक्ति उससे कहे, तब शायद वह बिफर जाए और कहे, 'देखो, मेरे सामने प्रवचन मत झाड़ो। अपना प्रवचन अपने पास ही रखो।' बात शब्दशः वही कही गई थी। सुनने वाला व्यक्ति जानता है कि प्रवचन में कही गई बात ही यथावत दोहराई जा रही है। यानी उसने वही सुना, जो बात कही गई थी। फिर दोनों में क्या फर्क हो गया? फर्क स्थिति का है, परिस्थितियों का है। फर्क व्यक्ति की मनोदशा का है। फर्क कहने वाले के लहजे में हो सकता है। फर्क सुनने वाले की स्वीकारोक्ति का भी है। आजकल के अधिकतर युवा इयरफोन लगाकर गीत-संगीत सुनते हैं। जरूरी नहीं है कि एक ही गाना सभी युवा एक-सा सुन रहे हों। हालांकि वे वही सुन रहे होते हैं जो इयरफोन के माध्यम से सुनाया जा रहा है। दरअसल, एक गाने को कई अर्थों में सुना जा सकता है। कोई गाने के बोल सुन रहा होता है, कोई संगीत की लहरी सुनता है। कोई गायकी के तरीके को सुन रहा होता है तो कोई साजिंदों के प्रयोग को। यहां तक कि कोई श्रोता गाने से जुड़े फिल्मी दृश्य को सुन रहा होता है और कोई अपनी पुरानी यादों को। कोई गम को ढूंढ रहा होता है तो कोई खुशी तलाश लेता है। एक सज्जन जीवन के अंतिम दिनों में अत्यंत बीमार थे। वे दैनिक जीवन में नित्य भजन-पूजन और मंत्रों का जाप किया करते थे। परिजनों ने सोचा कि इस घड़ी में उन्हें इयरफोन के माध्यम से मंत्रोच्चार सुनाया जाना चाहिए। शायद वे शांति का अनुभव करेंगे। उन्हें कष्ट को भूलने में मदद मिलेगी। उनको इयरफोन लगा दिए गए, लेकिन अगले ही पल उन्होंने उसे हटा दिया। उनका कहना था, उन्हें शोर अच्छा नहीं लग रहा है। वही भजन, वही मंत्र जो जीवन भर नित्य करते रहे, इस दावे के साथ कि ऐसा करने से अपूर्व शांति मिलती है, वही अब उन्हें शोर लग रहा था। शायद यहां सुनना परिस्थितिजन्य है। यहां एक ही कहन या बात को शांति और शोर के रूप में सुना गया! इन दिनों विज्ञान ने बहुत तरक्की की है। संचार क्रांति का दौर चल पड़ा है। अधिकतर लोगों के पास मोबाइल है। कही गई बातों को रिकार्ड करने और सुविधानुसार सुनने के अवसर हैं। प्रेरक बातें कहने वाले भी बहुत हैं। उनकी दुकानें चल पड़ी हैं। लोग उनकी कही गई बातों को कहीं भी, कभी भी सुन सकते हैं। बावजूद इसके लोगों की सोच में वैचारिक बदलाव परिलक्षित नहीं होता। क्रियाकलापों में परिपक्वता दिखाई नहीं देती? उच्छृंखलता, बेचैनी और उतावलापन बढ़ता ही जा रहा है। अभी कुछ समय हुए एक बड़ा रोचक और अद्भुत वैज्ञानिक तथ्य सुनने में आया था। हम जो भी कहते हैं या बोलते हैं, वह ज्यों का त्यों इस वातावरण में विद्यमान रहता है। कभी नष्ट नहीं होता। यह लगातार गूंजता रहता है। वैज्ञानिक ऐसे यंत्र का अविष्कार करने में जुटे हैं जो सदियों पहले किसी के द्वारा कही गई बातों को रिकार्ड कर पाएगा और फिर उसे उस व्यक्ति की आवाज में हूबहू सुना जा सकेगा। इस तथ्य के साथ एक दावा और जोड़ा गया है। द्वापर युग में महाभारत के दौरान भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कुरुक्षेत्र में अर्जुन को जो भगवद्गीता का उपदेश दिया गया था, उसे भी हूबहू रिकार्ड कर लिया जाएगा। अगर यह संभव हुआ तो लोग भगवान श्रीकृष्ण की आवाज में भगवद्गीता सुन सकेंगे। सवाल फिर वही उठ खड़ा होता है कि क्या हममें से हर व्यक्ति वही सुनेगा जो भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा था!

'परिवार' का मूल्य समझाता पश्चिम, हमें भी इस तरफ सोचने की जरूरत

हाल ही में एक खबर ने चकित किया। उसमें बताया गया था कि अब स्वीडन में दादा-दादी और नाना-नानी को पोते-पोतियों, नाती-नातिनों की देखभाल करने के लिए बच्चे के जन्म के पहले साल में तीन महीने की सवैतनिक छुट्टी मिलेगी। यह कानून वहां की संसद में पास किया गया है। स्वीडन दुनिया का पहला देश है, जिसने पचास साल पहले माता-पिता बनने पर न केवल माताओं को, बल्कि पिताओं के लिए भी अवकाश देने की घोषणा की थी। यहां बच्चे के जन्म पर सोलह महीने या चार सौ अस्सी दिन के अवकाश लाभ दिए जाते हैं। इस खबर को पढ़कर वे घटनाएं याद आती हैं, जहां अमेरिका और यूरोप में लोग इस बात पर आश्चर्य करते हैं कि भारत से दादा-दादी, नाना-नानी बारी-बारी से अपने नाती-नातिनों, पोते-पोतियों की देखभाल करने के लिए छह-छह महीने के लिए वहां जाते रहते हैं। पश्चिम इन दिनों परिवार के संपूर्ण बिखराव से परेशान है। वहां बहुत से युवा, जिनमें लड़के-लड़कियां, दोनों शामिल हैं, विवाह नहीं करना चाहते। विवाह हो भी जाए, तो ये बच्चों को जन्म देना नहीं चाहते। बच्चे पालना उन्हें भारी जिम्मेदारी और अपनी आजादी में खलल की तरह महसूस होता है। इस लेखिका ने यूरोप में ऐसे अनेक लोगों को देखा है, जो या तो अकेले रहते हैं या उनके बच्चे नहीं हैं। बच्चों का शौक पूरा करने के लिए वे कई सारे कुत्ते-बिल्लियां पालते हैं। सुबह-शाम उन्हें घुमाने ले जाते हैं। उनके स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। उन्हें अच्छा भोजन देते हैं। कहने का अर्थ यह कि इन जानवरों को पालने में भी लगभग उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी बच्चों को पालने में। लेकिन विभिन्न विमर्शों ने पिछली एक सदी से परिवार नामक संस्था की इतनी बुराई की है कि युवाओं को परिवार बसाना-बढ़ाना अपने जीवन की सबसे बड़ी मुसीबत लगता है। माता-पिता से तो वे बहुत जल्दी ही अलग हो जाते हैं। उनसे वे किसी पर्व-त्योहार या ऐसे ही किसी अवसर पर मिलते हैं। बहुतेरे तो उनके बीमार होने पर भी उनकी कोई सुध नहीं लेते। इसीलिए वे भारत के पारिवारिक ढांचे को आश्चर्य से देखते हैं, लेकिन खुद पारिवारिक बंधनों से दूर भागते हैं। हालांकि हमारे यहां भी दशकों से एकल परिवार को किसी वरदान की तरह देखा जा रहा है। अक्सर पर्सनल कॉलम्स में बुजुर्ग शिकायत करते हैं कि उन्होंने अपनी पूरी उम्र और जमा-पूंजी अपने बच्चों को पालने, उनकी देखभाल करने और शिक्षा पर खर्च कर दी। मगर अब बच्चे उनसे मिलना तो दूर, एक फोन करने तक की जरूरत महसूस नहीं करते। ऐसी भी खबरें आती हैं कि जब माता-पिता की मृत्यु हो जाती है, तो विदेशों में रहने वाले बच्चे पड़ोसियों से कहते हैं कि अंतिम संस्कार आप ही कर दीजिए। हमें अपना अकाउंट नंबर दे दीजिए। पैसे ट्रांसफर कर देंगे। पश्चिम के लोग परिवार की वापसी के नारे लगा रहे हैं। वे एकल परिवारों की मुसीबतों से परेशान हैं। वहां के बहुत से बच्चे कम उम्र में ही ऐसी तमाम गतिविधियों में लग जाते हैं, जो उनके भविष्य के लिए अच्छी नहीं है। लेकिन जिन विचारों को फैलाकर पश्चिम ने परिवारों को नेस्तनाबूद किया, उनके रहते परिवार की वापसी मुश्किल ही दिखती है। व्यक्तिवाद के चलते मनुष्य कितना स्वार्थी और आत्मकेंद्रित हो जाता है, पश्चिम के समाज उसके ज्वलंत उदाहरण हैं। किसी डे केयर सेंटर में बच्चे पालने से बच्चों को वैसी देखभाल नहीं मिलती, जो दादा-दादी या नाना-नानी के रहते होती है। सहायिकाओं के भरोसे भी बच्चों की उचित देखभाल की गारंटी नहीं दी जा सकती। इसके अलावा, जब युवाओं को यह बताया जाएगा कि परिवार तुम्हारे करिअर में सबसे बड़ा रोड़ा है, तो वे भला परिवार क्यों बसाएंगे!

आज का राशिफल

मेष
वृषभ
मिथुन
कर्क
सिंह
कन्या
तुला
वृश्चिक
धनु
मकर
कुंभ
मीन

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5290

			4	5		8		
		6	3		9			2
4	2							7
9		2					8	
		3	2	1	8	7		
	5					1		4
7							9	5
2			5		7	3		
		1		2	3			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5289

5	4	2	6	8	1	9	7	3
9	6	7	3	4	5	2	8	1
8	1	3	9	2	7	6	5	4
2	9	1	7	3	8	5	4	6
6	3	5	2	1	4	7	9	8
7	8	4	5	9	6	3	1	2
3	2	8	4	5	9	1	6	7
4	5	6	1	7	3	8	2	9
1	7	9	8	6	2	4	3	5

वर्ग पहेली 5290

संकेत: बाएं से दाएं

1. 2 अप्रैल 2011 को भारतीय क्रिकेट टीम ने मुंबई में इस देश को हराकर आईसीसी विश्व कप 2011 की ट्रॉफी अपने नाम की (3)
4. दुनिया में सबसे ज्यादा [illegible] इस देश के नागरिक रहते है (3)
6. [illegible] (3)
7. कोई धार्मिक प्रसंग या आख्यान (2)
9. [illegible] (3)
10. आवास स्थान, मकान, गृह (2)
11. सामान्य योग्यता या लियाकत (3)
13. किंतु, परंतु, मगर, लेकिन (2)
14. [illegible] (3)
16. इस देश की राजधानी स्टॉक होम है (3)
17. अकेलापन, एकाकीपन (3)
19. प्रसिद्ध, जाहिर (3)
20. [illegible] (4)
21. यह कृष्ण की माता थी, [illegible] (2)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] (4)
2. [illegible] (2)
3. [illegible] (4)
4. नौजवान व्यक्ति (3)
5. पोस्ट ऑफिस, डाकखाना (4)
8. [illegible] (2)
12. तेजस्वी, बलवान, प्रतापी (3)
13. [illegible] (4)
14. [illegible] (4)
15. भ्रातृत्व, भाई का नाता, बंधुत्व (4)
18. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5289 का हल

उपमुख्यमंत्री के क्षेत्र में 2019 की बाढ़ में हुई जर्जर क्षतिग्रस्त पुलिया को आज तक नहीं बनाया

ठेकेदार की लापरवाही की वजह से कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, जिम्मेदार मौन

खजूरीआंजना, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। 2019 में बाढ के बाद की पुलियाओं का आजतक नहीं बदल पाया स्वरूप विगत चार वर्षों पहले प्रदेश सहित अन्य कहीं राज्यों में अनंत बारिश ने कहर बरपाया था जहां कहीं जगह-जगह सड्क मार्ग व पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई थी जिनके कारण कई शहरों सहित कस्बा तक सड्कों का संपर्क टूट गया था लेकिन इसके बाद कई जगह पर धवस्त हुई सड्के तथा पुलियों का नवीनीकरण आज तक नहीं हो पाया ऐसी ही परिस्थितियों का सामना मंदसौर जिले के कई ग्रामीण क्षेत्र ने भी किया था 2019 में अनंत बारिश को लेकर जिले के कहीं ग्रामीण क्षेत्रों में बहने वाले नदी नालों ने विकराल रूप ले लिया था जिसके कारण एक दूसरे स्थान को जोडने वाले सड्क मार्ग कभी तेज बाहव में बह निकले थे जिसका जीता जागता उदाहरण मंदसौर जिले के ग्राम खजूरी आंजना के तालाब कि पार पर बनी पुलिया का है जहां पर पूरी पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई थी जिससे आवागमन भी बंद हो गया था और पुलिया पर बनी सीसी करीब 2 फीट खिसककर नाले की तरफ बह गई थी और पुलिया में दो से ढाई फीट के बड़े-बड़े खडे हो गए थे जिससे ठेकेदार के द्वारा उन खड्डो को रिपेयर भी किया था और पुलिया पर पेच वर्क भी किया था जो करीब दो-तीन साल और चली आगे और आज की पोजीशन में पूरी पुलिया क्षतिग्रस्त वह पूरी जर्जर हो चुकी है जिसकी वजह से कभी भी बडा हादसा हो सकता है लेकिन जिम्मेदारीयों की लापरवाही की वजह से हजारों लोग इस क्षतिग्रस्त पुलिया से वाहन निकालते हैं लेकिन अब तक ऐसी ध्वस्त पुलियों का स्वरूप नहीं बदल पाए अब ठीक इधर मानसून आने को आतुर है ऐसी स्थिति में उबड-खाबड पुलिया हादसे को आमंत्रित कर रहीं हैं।

अफजलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम झावल, गुधियाना अफजलपुर झाकेडा टाकेडा सेमलिया काजी आदि गांव को जोडने वाली पुलिया पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है बारिश के समय में कभी भी भारी वाहन प्रवेश करते हैं तो कभी भी बडा हादसा हो सकता है जिससे ग्रामीण भी काफी देहशत में नजर आ रहे हैं। खजुरी आंजना के ग्रामीणों ने बताया कि तालाब की पाल पर बनी पुलिया व सडक पूरी तरह से जर्जर हो गई है और पुल पर कहीं गड्ढे हो गए हैं पुलिया के नीचे जो पाइप लगे हैं औवर फ्लोर के वह पाईप भी सभी टूट गए हैं जो ठेकेदार के द्वारा सुधारने का काम नहीं किया गया इसके बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से गुहार लगाई थी इसके बाद जर्जर पुलिया पर ठेकेदार द्वारा मिट्टी डालकर डामर पुताई कर दी गई थी उसके बाद आज करीब 4 साल बाद भी पूरी तरह से पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई हैं और इसी पुल से रोजाना ग्रामीण व आसपास क्षेत्र के लोग निकलते हैं जिससे बारिश में कभी भी बडा हादसा हो सकता है इसका जिम्मेदार कौन यहां तो कोई सुनने को तैयार नहीं अंधेरी नगरी चौपट राजा वाली कहावत सच होती दिख रही हैं ऐसे में प्रशासन को तुरंत पुलिया की मरम्मत करवाना चाहिए वरना कभी भी बडा हादसा हो सकता है इन तीन सालों में घिसाई व गुणवत्ता धीरे धीरे बिल्कुल भी कमजोर हो गई हैं हर वर्ष बारिश में हर एक दिन से लेकर थोडी सी बारिश हुई तो आवागमन बार-बार बंद हो जाता है जिससे आम जन सहित अंचल वासी आए दिन परेशान होकर दुखी नजर आते हैं इसी पुलिया से कहीं बार मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा कहीं बार गुजर चुके हैं लेकिन आज तक इस मामले को संज्ञान नहीं लिया गया है यह भी एक चर्चा का विषय बना हुआ है या यूं कहे तो मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक या यूं कहे तो मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा को क्षेत्र की ओर या आमजन व राहगीरों की ओर कितना ध्यान देना चाहिए यह तो समय ही बताएगा यह आपको शासन प्रशासन के संबंधित अधिकारियों को ध्यान आकर्षित करना चाहिए।

इनका कहना...

तालाब की पाल पर बनी पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है बारिश से पहले अगर रिपेयर नहीं किया तो बहुत बडा हादसा हो सकता है आखिर जिम्मेदार कौन होगा

बबलु आंजना ग्रामीण खजुरी आंजना

क्षतिग्रस्त पुलिया को बारिश से पहले ही अगर ठेकेदार या प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सही किया जाता तो ग्रामीण व राहगीरों को बारिश के समय में परेशानी का सामना न करना पडेगा जिम्मेदार ध्यान दें

हरिश आंजना ग्रामीण खजुरी आंजना

क्या कहते हैं जिम्मेदार...

मामला संज्ञान में आया पीएम एमजीएक्स वाय वोलो कों बोलता हु जो भी समस्या है मौके पर जाकर दिखाता हूं जो भी निराकरण होगा व करेंगे

ज़िला पंचायत सीईओ सत्यम कुमार

राजेन्द्र सोनगरा एसडीओ लो.नि.वि के नंबर 98276 72906 पर कॉल किया गया लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

जाति,पंथ,संप्रदाय को तोड़े और राष्ट्र को जोड़े-संत श्री

राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज ने पशुपतिनाथ के दर्शन किए

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय संत श्री बाल योगी श्री उमेशनाथ महाराज ने कहा कि जाति, पंथ ,संप्रदाय को तोडे और राष्ट्र को जोड़े। मेरा संकल्प है कि समाज में वह काम हो भी जाता है इसी प्रकार सामाजिक समरसता भी अंतरात्मा की आवाज से ही आ पाएगी। आपने कहा कि मन में भाव होना चाहिए कि हम सब मां भारती की संताने है और हम सभी भारत वासी हैं। हम सब एक बार मन वचन कर्म से सोच ले कि कोई जाति पंथ संप्रदाय नही है हम सब भारत मां के लाल है तभी इस देश में समरसता आ पायेगी। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने कहा कि भगवान पशुपतिनाथ महादेव की धरती का सौभाग्य की यहां पर संतो के चरण वंदन पडते रहते हैं संतो के चरण वंदन जिस नगर पर पडते हैं वह नगर अपने आप धन्य और संस्कारवान हो जाता है। नेशनल मीडिया फाउंडेशन के प्रांतीय अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन और संत श्री का परिचय देते हुए कहा कि पूज्य राष्ट्रीय संत श्री बाल योगी श्री उमेश नाथ महाराज का मंदसौर से गहरा लगाव रहा है। आप लंबे अरसे से आपका आशीर्वाद मंदसौर शहर वासियों को मिलता आ रहा है और अब आप राज्यसभा सांसद के रूप में देश की सबसे बडी संसद में पहुंचे हैं वहां पर भी आप धर्म, आध्यात्म और ज्ञान की गंगा बहाएंगे। पशुपति नाथ मंदिर पर संत श्री के आगमन पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, वैश्य महासम्मेलन जिला अध्यक्ष जगदीश चंद्र चौधरी, अग्रवाल समाज देशी पंचायत अध्यक्ष आशीष गुप्ता, महा सचिव ओम अग्रवाल सर, वैश्य महासम्मेलन जिला उपाध्यक्ष रमेश काबरा, सुभाष खंडेलवाल , शासकीय लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय जन भागीदारी समिति अध्यक्ष नरेंद्र त्रिवेदी, श्री चारभुजा पंच माहेश्वरी ट्रस्ट के सचिव श्री सत्यनारायण छापरवाल , नगर पालिका में सांसद प्रतिनिधि कपिल भंडारी , हेमन्त अग्रवाल, रवि अग्रवाल, राजू ओझा, राकेश दुग्गड, रमेश चंद्र त्रिवेदी, पुष्पेंद्र सिंह चौहान, कन्हैया लाल देशमुख, श्रीमति सुनीता देशमुख सहित बडी संख्या में उपस्थित भक्तो ने स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम अंतर्गत किया पौधारोपण

मनासा, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय मनासा द्वारा वृंदावन गार्डन में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अंतर्गत नगर परिषद मनासा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की गई एवं वृक्षारोपण किया। अन्य सभी लोगों को भी अधिक से अधिक इस अभियान में सहभागिता करने हेतु प्रेरित किया साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रो. आशा पटेल , एनसीसी प्रभारी प्रो. सुशील मईडा सहित बडी संख्या में राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक एवं अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनपरिषद के माध्यम से किटियानी में हुआ पौधरोपण

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आज आवश्यक होगया है कि पौधे रोपण के साथ संरक्षण भी हो , पौधे कुछ अंतराल के बाद वृक्ष बनकर प्राणिमात्र के लिए पर्यावरण अनुकूलता में मददगार बनते हैं ये विचार व्यक्त किये शिक्षाविद , समाजसेवी श्री रमेशचंद्र त्रिवेदी ने । आप सोमवार दोपहर किटियानी स्थित बैंक कॉलोनी , गार्डन में पौधे रोपण में सहभागिता कर रहे थे।

सामाजिक कार्यकर्ता एव जिला पारीक ब्राह्मण परिषद सचिव एवं परिवहन विभाग के पूर्व चालक स्व . श्री देवेंद्र त्रिवेदी की स्मृति में परिवार जन द्वारा किये पौधे रोपण में अतिथि थे । शिक्षाविद श्री त्रिवेदी ने कहा कि अपने परिजनों की स्मृतियों को स्थायित्व प्रदान करने के लिए पौधे रोपण के साथ संरक्षण श्रेष्ठ है। जीवन के साथ भी और मृत्यु के बाद भी पौधे वृक्षों का आकार लेकर यादों को स्थायित्व प्रदान करते हैं। सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था जनपरिषद के बैनर पर स्व. श्री देवेंद्र त्रिवेदी की पत्नी श्रीमती मनोरमा त्रिवेदी , पुत्र कौशल त्रिवेदी , कुणाल त्रिवेदी , पौत्र मृत्युंजय त्रिवेदी एवं अन्य ने गार्डन में बिल्वपत्र , पीपल , गुलमोहर , नीम , तुलसी , जामुन , आम आदि के पौधे लगाए। उल्लेखनीय है कि श्री त्रिवेदी का निधन शनिवार को हुआ सोमवार को उठावने बाद परिवार जनों ने उनकी स्मृति में पौधे रोपण किये ।जनपरिषद मंदसौर चैप्टर अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल ने स्वागत करते हुए

पौधे रोपण के महत्व को रेखांकित किया और दिवंगत आत्मा की स्मृति में पौधे लगाने को सामाजिक उपकार निरूपित किया। इस अवसर पर पूर्व प्रिंसिपल श्रीमती पूर्णिमा कंथारिया , मौसम विभाग के पूर्व साइंटिस्ट श्री महेंद्र पुरोहित , प्रमोद भट्ट , सोनू पारीक , सनत जोशी , प्रतीक शर्मा , नवनीत व्यास , शुभम परसाई , रमाकांत त्रिवेदी , गोपाल गुरू , अनिल पुरोहित , श्रीमती सावित्री पारीक , श्रीमती सीमा पुरोहित , श्रीमती प्रेमलता बटवाल , ऋतुराज पारीक , राजेंद्र त्रिवेदी , श्रीमती जयश्री जोशी , मोहन प्रकाश कंथारिया , श्रीमती रैना शर्मा , पवन पारीक , श्रीमती उषा पारीक , मनोहर सिंह पुरोहित आदि पौधे रोपण करते हुए संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम संचालन और आभार जनपरिषद सचिव नरेंद्र कुमार त्रिवेदी ने किया।

गौशालाओं में गौमाता की दुर्गति पर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन देते ही कलेक्टर ने बीमार गायों के उपचार के लिए दो घंटे रोज गौशाला जाकर इलाज करने का आदेश पशु चिकित्सालय के डॉक्टर मनीष इंगोल को दिया

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। हिन्दू युवा वाहिनी के प्रदेश

प्रभारी चैतन्य सिंह राजपूत और जिला अध्यक्ष ईश्वर सिंह गेहलोद के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर दिलीप कुमार यादव को ज्ञापन सौंप कर गौशालाओं में गौमाता कि हो रही दुर्गति पर विरोध जताते हुए व्यवस्था सुधारने कि मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि मंदसौर कि गौशालाओं में बीमार गौमाता का इलाज समय पर एवं सही ढंग से नहीं किया जा रहा है इससे गौमाता कि रोज बड़ी संख्या में मौत हो रही है। पशु चिकित्सालय के डॉक्टर को हर रोज एक घंटे के लिए गौशाला में रहकर इलाज करने का आदेश दिया जाए। गौशालाओं में पानी पीने के जो खेर बनी है वह बडी गायों के लिए है छोटे बछडे प्यासे भटक रहे हैं उनके लिए छोटी खेर का निर्माण किया जाए। नौलखा बीड की गौशाला में चौबीस घंटे में मात्र ढाई घंटे लाइट आती है जिससे गौशाला अंधेर में डूबी रहती है और आपस में टकराने से गौमाता घायल हो जाती है, रातभर लाइट कि व्यवस्था की जाए। व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर हिन्दू युवा वाहिनी द्वारा आंदोलन किया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की रहेगी। इस अवसर पर हिन्दू युवा वाहिनी के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी कर विरोध प्रकट किया।

ज्ञापन के बाद तत्काल कलेक्टर ने डॉक्टर कि व्यवस्था की- हिन्दू युवा वाहिनी द्वारा कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा और ज्ञापन मिलते ही उक्त मांगो को पूरा करने के लिए कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने काम शुरू कर दिया। कलेक्टर ने पशु चिकित्सालय के जिला अधिकारी मनीष इंगोले को सख्त आदेश दिया कि गौशालाओं में दो घंटे रोज बीमार गायों के इलाज के लिए डॉक्टर भेजे इसमें कोताही नहीं बरती जाए। इसी तरह गौशाला में छोटे बछडों के पीने के पानी के लिए छोटी खेर तैयार की जा रही है। बाकी मांगो को पूरा करने का काम भी जारी है।

मलेरिया से बचने के लक्षण एवं उपाय

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया की बारिश में डेंगू एवं मलेरिया का खतरा ज्यादा रहता है। जब संक्रमित मादा एनोफिलिज किसी स्वस्थ्य व्यक्ति को काटती है तो वह मलेरिया बुखार से ग्रसित हो जाता है, जब मलेरिया से ग्रसित व्यक्ति एक स्वस्थ्य मादा एनोफिलिज काटती है तो वह संक्रमित हो जाती है। इस प्रकार मलेरिया का फैलाव होता है। मलेरिया मादा एनोफिलिज मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर रात के समय काटता है। ठण्ड लगकर बुखार आना एवं पसीना होकर बुखार उतरना सामान्य लक्षण है। एक दिन छोड़कर बुखार आना 3 उल्टियां और सिरदर्द होना। सर्दी व कम्पन्न के साथ बुखार आना। मच्छरों की उत्पत्ति रोकने हेतु मॉडल बॉयलाज बनाए गए है उनके क्रियान्वयन करें। ग्राम/मोहल्ले में घरों से निकलने वाले पानी की उचित निकासी व्यवस्था, नालियां साफ रखकर अवांछित जल संग्रहों को मिट्टी (पुरकर) समाप्त करना। दलदली जमीन को सुखा कर वृक्षारोपण करना। स्टाप डेम, कुओं नदियों के रूके पानी में लार्वाभक्षी मछलियां डालकर, घरों के आसपास रखी बेकार सामग्री जिनमें पानी जमा हो सकता है, हटाने की समझाइश देकर, मच्छरों की पैदावार नियंत्रित की जा सकती है।

स्वामी टेऊँराम जी महाराज के जन्मोत्सव पर पंच दिवसीय कार्यक्रमों का शुभारंभ

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री प्रेमप्रकाश पंथ के प्रवर्तक योगीराज स्वामी टेऊँराम जी महाराज के 138वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर श्री प्रेमप्रकाश आश्रम में पंच दिवसीय कार्यक्रमों के अंतर्गत 8 जुलाई, रविवार चण्ड (चन्द्रदर्शन) के पावन दिवस दादी पुष्पा पमनानी ने श्रीमद् भागवत गीता एवं श्री प्रेमप्रकाश ग्रंथ के पाठों का शुभारंभ किया। प्रतिदिन सुबह 7.30 बजे से एवं शाम को 5.30 बजे से सत्संग, हनुमान चालीसा, टेऊँराम चालीसा का पाठ, पूजा अर्चन, पल्लव प्रसाद का आयोजन होगा।

इस आशय की जानकारी देते हुए सेवा मण्डली के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शिवानी ने देते हुए बताया कि स्वामी जी के जन्मोत्सव के अंतर्गत 10 जुलाई बुधवार को विशेष 138 व्यंजन का विशाल 56 छप्पन भोग झांकी सजाकर भगवान व सतगुरूओं को अर्पित किया जावेगा। शिवानी ने बताया कि 11 जुलाई गुरूवार को सुबह श्री गोपालकृष्ण गौशाला में अमृतवेला में सुबह 7 बजे गौ माता की पूजा अर्चना, आरती कर गौमाता को हरे घास का भण्डारा खिलाया जायेगा। सुबह 9 बजे पंडित उमेश जोशी शास्त्री के आचार्यत्व में आश्रम में हवन यज्ञ होगा। शाम को 5 बजे श्रीमद् भागवत गीता एवं 151 श्री प्रेमप्रकाश ग्रंथ के पाठों का भोग (समापन) प्रसादी केक बधाई मंगल गीत, प्रार्थना आरती कर हर्षोल्लास के साथ समापन कर प्रसादी भण्डारे का आयोजन रखा गया है। श्री प्रेमप्रकाश सेवा मण्डली महिला एवं पुरूष ने सिन्धी समाज एवं सनातन धर्मियों को धर्मलाभ लेने का आग्रह किया है। सतगुरू के स्वरूप आभार प्रदर्शन नंदू आडवानी, सुरेश बाबानी एवं दयाराम जैसवानी ने प्रकट किया।

दिनांक 09 जुलाई 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है..?
घर में दो शिवलिंग, तीन गणेश जी की मूर्ति, दो शंख, दो सूर्य प्रतिमा, तीन देवी की प्रतिमा, दो गोमती चक्र और दो शालग्राम भगवान की पूजन करने से गृहस्वामी को मानसिक अशांति की प्राप्ति होती है तथा कार्य सिद्दी में अड़चने आती है।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

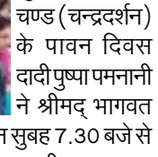

ग्राम पंचायतें पेयजल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन करवाएं-कलेक्टर

कलेक्टर ने की ई-जनसुनवाई, पांच ग्राम पंचायतों के सरपंचों, ग्रामीणों से रूबरू हुए

नीमच, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी ग्राम पंचायतों के सरपंच, अपने क्षेत्र के सभी गांवों में पेयजल स्त्रोतों, कुओं, हेण्डपम्पों के पेयजल का क्लोरिनेशन अनिवार्य रूप से करवाए। आबादी के समीप स्थित गड्ढें, तालाबों को दुर्घटना की संभावना को देखते हुए सुरक्षित करवाएं। आयुष्मान भारत योजना के तहत शेष सभी हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनवाएं। पी.एम.किसान, सी.एम.किसान सम्मान निधि के हितग्राहियों, पेंशन हितग्राहियों का ई-केवायसी करवाएं। यह बात कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में ई-जनसुनवाई करते हुए मनासा क्षेत्र की ग्राम पंचायत टामोटी, भदवास, पावटी, साकरियाखेडी, एवं हनुमंत्या के सरपंचों, ग्रामीणों से रूबरू होते हुए कही। कलेक्टर श्री जैन ने इन ग्राम पंचायतों से वर्चुअली संवाद करते हुए वीडियों कांफ्रेसिंग के जरिए शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की स्थिति का भी जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने ई-जनसुनवाई में सरपंचो और ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा, कि स्कूलों में सभी विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित हो। कोई भी विद्यार्थी स्कूल जाने से वंचित ना रहे। यदि कोई विद्यार्थी स्कूल में प्रवेश से

शेष रह गया है, तो सरपंच, उनके माता-पिता को प्रेरित कर, विद्यार्थी को स्कूल में दाखिला अवश्य दिलाए। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि स्कूलों में दर्ज सभी विद्यार्थी नियमित रूप से रोजाना स्कूल आए। यदि विद्यार्थी नियमित रूप से स्कूल आएंगें, तो रिजल्ट में भी सुधार होगा। उन्हो ने 10वीं कक्षा के रिजल्ट को सुधारने पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। कलेक्टर श्री जैन ने ग्रामीणों व स्थानीय पंचायत पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए ई-जनसुनवाई में कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना के तहत जहां भी पानी की पाईपलाईन बिछाने का कार्य किया गया है और सडके खोदी गई है, उन सडकों की मरम्मत प्राथमिकता से करवाई जावे, जिससे कि ग्रामीणों को कोई असुविधा ना हो। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के महाप्रबंधक को उक्ति कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से करवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने भदवास ग्राम पंचायत के ग्रामीणों की मांग पर ग्राम कडीआत्री में पाईप लाईन डालने से क्षतिग्रस्त प्रधानमंत्री ग्राम सडक को तत्काल ठीक करवाने के भी निर्देश दिए। टामोटी के ग्रामीणों से रूबरू होते हुए कलेक्टर ने ग्रामीणों की मांग पर पंचायत क्षेत्र के सभी गांवों में शमशान के लिए वनाधिकार अधिनियम तहत सामुदायिक दावा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होने शमशान के लिए भूमि आरक्षित करने, शमशान की पंचायत निधि से बाउण्ड्रीवाल बनाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने ग्राम शिवपुरिया में आंगनवाडी भवन की मांग पर, आंगनवाडी केंद्र भवन निर्माण का प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश भी जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिए। ग्राम पंचायत साकरियाखेडी के सरपंच ने ई-जनसुनवाई में कलेक्टर से रूपपुरा से साकरियाखेडी तक 1 कि.मी.सडक निर्माण की मांग की। उन्होने कोराखेडी में स्कूल की बाउण्ड्रीवाल बनाने की भी मांग की। ग्राम हनुमंत्या. में सरपंच ने नवीन गोशाला में ट्रांसफार्मर लगवाने, नई आबादी घोषित करवाने, जल जीवन मिशन के तहत पेयजल पाईप लाईन के अधूरे काम को पूरा करवाने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	32	2343	2447
उडद	5	5500	7800
सोयाबीन	4300	3550	4540
गैहु	4500	2600	3100
चना	220	5810	6470
मसुर	123	5400	6151
धनिया	175	4900	7080
लहसुन	12000	7501	23100
मैथी	500	5000	6000
अलसी	674	5600	6090
सरसो	192	5167	5400
तारामीरा	2	4480	4480
इसबगोल	126	9500	13310
प्याज	3092	725	2853
कलोंजी	51	9700	21791
डॉलर	24	6752	10540
तिल्ली	122	9701	12453
मटरसुखी	5	4545	6301
असालीया	93	9401	10461

इतिहास बनी माली समाज धर्मशाला- श्री पशुपतिनाथ मदिर परिसर में लंबे समय से स्थित माली समाज की धर्मशाला को पूरी तरह जमींदोज कर दिया गया। हालांकि, समाज को अन्यत्र जमीन दी गई है। किन्तु, मंदिर के समीप होने से इस धर्मशाला का आमजन बहुत उपयोग करते थे।

डीईओ, डीपीसी प्राइवेट स्कूलों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें-कलेक्टर

सभी सीएमओ प्राइवेट भवनों में फायर एनओसी के नियमों का पालन करवाएं, समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी को निर्देश देते हुए कहा कि प्राइवेट स्कूलों की जांच की जाए। जांच के तहत बच्चो के सिलेबस को चेक करे। किसी दुकान विशेष पर पुस्तकों का क्रय विक्रय तो नहीं हो रहा इसकी जांच करें। इसके साथ ही सभी प्राइवेट स्कूल की बसों का फिटनेस चेक करें। एसओपी का पालन कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं इसकी जांच करें तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करें। विद्युत सुरक्षा विभाग शासकीय भवन में फायर एनओसी की

जांच करें। सभी सीएमओ प्राइवेट भवनों में फायर एनओसी संबंधित नियमों का पालन करवाएं। नियमों का पालन नहीं करवाने पर सीधी कार्यवाही करें। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम एवा जिला अधिकारी उपस्थित थे।

एक पेड मां के नाम अभियान के अंतर्गत सभी विभाग व्यापक स्तर पर पौधारोपण करें। इसके साथ ही मेरी लाइफ एवं वायुदुत ऐप पर फोटो भी अपलोड करें। डेंगू की रोकथाम एवं बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग दवाई छिडकाव एवं रखरखाव का कार्य प्रारंभ करें। लोगों में अधिक से अधिक जागरूकता हो इसके लिए बचाव से संबंधित नियमों का व्यापक प्रचार प्रसार करें। खाद्य एवं सुरक्षा विभाग सभी छात्रावास एवं अन्य सभी संस्थान जहां पर बच्चों को भोजन दिया जाता है। ऐसे छात्रावासों का हर माह निरीक्षण करें खाने की जांच करें तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करें। गांधीसागर एई को निर्देश दिए की, गांधी सागर में चलने वाली नाव एवं बोट के लिए लाइव जैकेट एवं बेल्ट लगाया जा रही है या नहीं। इसकी जांच करें। अगर कोई नियमों का पालन नहीं कर रहा है तो संबंधित नाव का लाइसेंस निरस्त करें। जिले में इस तरह की भूमि जो भू अर्जन के पश्चात प्राइवेट से सरकारी की गई है। उन सभी भूमियों को सरकारी रिकॉर्ड खसरा में दर्ज करें। इसकी प्रत्येक सप्ताह समीक्षा की जाएगी।

कलेक्टर के निर्देश के बाद भी विद्यालय नहीं कर रहे नियमों का पालन

सुवासरा, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने सोमवार को निजी शिक्षण संस्थानों के द्वारा पुस्तको ,ड्रेस की कालाबाजारी के विरुद्ध जिला शिक्षा अधिकारी और डी पी सी को जांच कर रिपोर्ट देने के लिए कहा। नगर सहित जिले के कई शहरों में निजी विद्यालय द्वारा अभिभावकों से कॉपी किताबो के मनमाने शुल्क वसूल कर रहे है। लेकिन शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा इस पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही थी। सोमवार को कलेक्टर ने विभागीय समीक्षा के दौरान शिक्षा विभाग को जिलें के सभी निजी विद्यालयों की जांच करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही शिक्षा विभाग निजी विद्यालयों की स्कूल बस के फिटनेस सहित अन्य सुरक्षा मानकों की भी जांच करेगा। जिलें के कई निजी विद्यालयों में नियमो का पालन नहीं हो रहा है। कलेक्टर के निर्देश के बाद अब शिक्षा विभाग के अधिकारियों की परीक्षा है की वे ईमानदारी से जांच कर दोषी विद्यालयों के खिलाफ कार्यवाही करे।

फार्मेसी काउंसिल की कार्यप्रणाली के कारण लम्बे समय से फार्मासिस्ट हो रहे परेशान-राव प्रितेश सिंह

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। फार्मेसी काउंसिल की कार्यप्रणाली के कारण फार्मासिस्ट परेशान हो रहे हैं लंबे समय से रजिस्ट्रेशन के संबंध में कोई भी प्रक्रिया नहीं होने से वह ना तो कहीं अपना व्यवसाय प्रारंभ कर पा रहे हैं ना ही किसी नौकरी के लिए आवेदन कर पा रहे हैं, भोपाल ऑफिस में किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं होने के कारण प्रदेश में फार्मेसी की पढाई पूर्ण कर चुके फार्मासिस्ट बेहद परेशान है ,अतिशीघ्र फार्मेसी काउंसिल में व्याप्त समस्याओं का समाधान किया जाकर फार्मासिस्टो को राहत दी जाना चाहिए।

उक्त आशय की मांग फार्मासिस्ट स्ट्रगल काउंसिल (फास्को) के अध्यक्ष राव प्रितेश सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रभुराम चौधरी से करते हुए बताया है कि फार्मेसी काउंसिल भोपाल में लंबे समय से फार्मासिस्टों के ना तो रजिस्ट्रेशन हो रहे हैं ना ही उनकी परेशानियां दूर हो रही है इस संबंध में अति शीघ्र सरकार को निर्णय लेकर फार्मासिस्टों को आ रही परेशानियों को दूर करना चाहिए फार्मेसी उत्तीर्ण कर चुके विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन के लिए जब काउंसिल की लिंक को ओपन करते हैं तो लंबे समय तक तो लिंक ही ओपन नहीं होती है, सारे कागज पूर्ण करने के बाद भी उनके रजिस्ट्रेशन नहीं हो रहे हैं इस संबंध में जब फार्मेसी काउंसिल फोन करके जानकारी मांगी जावे तो भी कोई सही उचित जानकारी नहीं मिलती है पहली बात तो वहां का फोन भी रिसीव ही नहीं होता है सरकार ने फार्मासिस्टों की सुविधा के लिए ऑनलाइन सिस्टम तो कर दिया लेकिन अपने ही कर्मचारियों के सिस्टम से सरकार हार रही है और बेरोजगार फार्मासिस्टों को परेशानी का सामना करना पड रहा है रजिस्ट्रेशन ना होने के कारण वे ना तो कहीं अपना व्यवसाय स्थापित कर पा रहे हैं और ना ही कहानी नौकरी के लिए आवेदन कर पा रहे हैं। फास्को के मनीष कुमावत, राहुल सोनी, डॉ. आशीष खिमेसरा, पंकज सुराणा,सचिन पाटनी, वैभव जैन सुनील जैन,निलेश जैन,आशीष जैन, अमित जैन ने बताया कि बिना कारण फार्मासिस्टों को परेशान किया जा रहा है ऑनलाइन अप्लाई करने के बाद कई कई महीनो तक उनको फिजिकल वेरीफिकेशन के लिए बुलाया नही जा रहा है। सारे जरूरी दस्तावेज कॉलेज से सत्यापित करके भेजने के बावजूद वहां कहा जाता है कि कोई दस्तावेज नहीं आए हैं कुल मिलाकर फार्मेसी काउंसिल की कार्य प्रणाली से प्रदेश के सारे फार्मासिस्ट बहुत ही ज्यादा परेशान हैं सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करने के बावजूद कार्यवाही नहीं हो रही है कायदे से तो नियम अनुसार 15 दिन के अंदर सारी आवश्यक कार्यवाही हो जाना चाहिए लेकिन 15 दिन तो छोडिए कई-कई महीनो तक फार्मासिस्टों की सुनवाई नहीं हो रही है ऐसे में फास्को के समस्त सदस्यों का प्रदेश सरकार से अनुरोध है कि अतिशीघ्र फार्मेसी काउंसिल में व्याप्त अव्यवस्थाओं का निराकरण किया जावे।

सभी ग्राम पंचायतें एवं गौशाला संचालक मृत पशुओं के समुचित निपटान के लिए गौ समाधी बनाए-जैन

कलेक्टर एवं एसपी की उपस्थिति में जिला पशु क्रुरता निवारण समिति की बैठक सम्पन्न

नीमच, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में और गौशाला संचालक गौशाला के समीप मृत पशुओं के समुचित निपटान के लिए गौ-समाधि निर्माण के लिए स्थांन चिन्हित कर, वहां गौ-समाधि संबंधित सूचना बोर्ड लगवाएं। पशुपालन विभाग इस कार्य की सतत मॉनिटरिंग करें। उपखण्डन स्तधरीय पशु कल्याणण समितियों और गौशाला संचालकों की बैठके नियमित रूप से हो। गौशालाओं का नियमित रूप से निरीक्षण कर गौवंश के लिए आवश्य क प्रबंध सुनिश्चित किए जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला स्तरीय पशु कल्याण समिति एवं जिला पशुक्रुरता निवारण समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, उप संचालक पशुपालन डॉ.के.के.शर्मा, डॉ.ए.आर.धाकड एवं डॉ.राजेश पाटीदार, अन्य, पशु चिकित्सक, न.पा., लोक निर्माण सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री जायसवाल ने न.पा.नीमच को निर्देश दिए कि शहर में सडकों पर झुण्ड में बैठने वाले पशुओं को हटाकर गौशालाओं में भिजवाएं। पशुपालकों की बैठक कर सुनिश्चित करे, कि कोई भी पशु सडकों पर ना बैठे, घूमें। कलेक्टर ने न.पा.नीमच को सड्क, मोहल्ले वार दल बनाकर पशुओं को सडकों, मुख्य मार्गो से हटाकर गौशालाओं में छोडने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने श्वानों पर नियंत्रण के लिए भी प्रभावी कार्यवाही करने तथा श्वानों को भी पकड्कर अन्य दूरस्थ स्थानों पर छोडने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। बैठक में पशु कल्याण समिति को होने वाली आय एवं व्यय की समीक्षा की गई तथा पशु कल्याण के उद्देश्यो से पशु पंजीयन, उपचार, कृत्रिम गर्भाधान, शल्यक्रिया, गर्भ परीक्षण, पशु स्वास्थ्य परीक्षण, प्लास्टर आदि की दरें संशोधित कर बढाने का निर्णय भी लिया गया। बैठक में समिति सदस्यों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

सुप्रीम कोर्ट ने भी माना लीक हुआ है नीट-यूजी का पेपर, कहा...

दो लोगों की गड़बड़ी के कारण पूरा एग्जाम कैंसिल नहीं कर सकते

नई दिल्ली, 08 जुलाई। मेडिकल एंट्रेस एग्जाम नीट 2024 को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई जारी रही। कोर्ट द्वारा रि-एग्जाम से जुडी याचिका पर सुनवाई कर रही है। आज सीजेआई डीवाई चंद्रचूड ने पूछा कि किस आधार पर रि-एग्जाम की मांग की जा रही है। उन्होने कहा कि ये स्पष्टहै कि पेपर लीक हुई है। अब सवाल यह उठता है कि इसका दायरा कितना व्यापक है। सिर्फ दो लोगों की गडबडी के कारण पूरी परीक्षा कैंसिल नहीं की जा सकती है। हम ये जानना चाहते है कि एटीए व सरकार ने अब तक पेपर लीक के आरोपियों को पहचानने में क्या कदम उठाए है।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि सरकार से पूछकर बताएं कि क्या हम साइबर फोरेंसिक विभाग के डेटा एनालिटिक्स यूनिट के जरिए पता नहीं लगा सकते है कि क्या पूरी परीक्षा प्रभावित हुई है। क्या गलत काम करने वालों की पहचान करना संभव है, इस तरह हम उन छात्रों के बारे में जानकारी जुटा सकते हैंए जिन्होंने गडबडी कर फायदा उठाया है। गौरतलब है कि कोर्ट में 38 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की जा रही है। इनमें से 34 याचिकाएं स्टूडेंट्स, टीचर्स व कोचिंग इंस्टीट्यूट्स ने दायर की हैं। वहीं 4 याचिकाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने लगाई हैं। 50 से ज्यादा रि-एग्जाम के खिलाफ याचिका लगाई है। इस साल 5 मई को नीट परीक्षा हुई थी। 571 शहरों के 4750 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 24 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। लेकिन यह परीक्षा एग्जाम के पहले ही विवादों में आ गई थी। पेपर लीक व 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क देने के बाद कई छात्रों ने धांधली और गडबडी का आरोप लगाया था। इसे लेकर कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। विपक्षी दलों ने संसद में यह मुद्दा उठाया। सरकार ने सफाई दी। इस बीच राज्यों के हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक का दरवाजा छात्रों ने खटखटाया।

कलेक्टर ने कलेक्टर कार्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

नीमच, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने सोमवार 8 जुलाई को प्रात: 10:10 बजे कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर संयुक्तय कलेक्टर कार्यालय स्थित कार्यालय का निरीक्षण कर अधिकारी, कर्मचारियों की कार्यालय में उपस्थिति का जायजा लिया।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने कलेक्ट र कार्यालय के स्टाप कक्ष क्र.26, जिला आबकारी, जिला कोषालय, शहरी विकास(डूडा)कार्यालय, उप पंजीयक, बंगला बगीचा प्रकोष्ठकार्यालय में पहुंचकर कार्यालयीन कर्मचारियों की उपस्थिति का जायजा लिया। उन्होने उपस्थिति पंजी का अवलोकन कर अनुपस्थित कर्मचारियों की पंजी में अपने हाथों से अनुपस्थिति दर्ज की। इस निरीक्षण के दौरान जिला आबकारी कार्यालय का कार्यालय बंद पाया गया और भी कोई भी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित नहीं पाया गया। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि सभी कार्यालयों, विभागों में सभी अधिकारी कर्मचारी कार्यालयीन समय प्रात: 10 बजे अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निवर्हन करें। कलेक्टर श्री जैन ने निरीक्षण दौरान अनुपस्थित पाये गये सभी कर्मचारियों को आधे दिवस आकस्मिक अवकाश काटने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी निर्देशित किया कि यदि भविष्य में कार्यालयीन कर्मचारी समय पर उपस्थित नहीं होते है, तो एक दिवस का वेतन काटा जावेगा। कलेक्टर ने निरीक्षण में जिला आबकारी कार्यालय के ताले बंद पाये जाने पर सभी अधिकारी कर्मचारियों को क्यो न उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावे? इस संबंध में कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है।

कडुआ में सेना के वाहन पर आतंकी हमला

कडुआ, 08 जुलाई। जम्मू कश्मीर के कडुआ में आज सेना के वाहन पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया। पिछले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले बढे हैं। जम्मू-कश्मीर का डोडा जिला 11 और 12 जून को दोहरे आतंकी हमलों से दहल गया था।

11 जून को चत्तरगल्ला में एक संयुक्त जांच चौकी पर आतंकी हमले में 6 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। वही 12 जून को गंदोह इलाके में कोटा टॉप पर आतंकवादियों के साथ मुठभेड में एक पुलिस कर्मी घायल हो गया था। हमलों के बाद सुरक्षा बलों ने अपने आतंकवाद विरोधी अभियान तेज कर दिए और जिले में घुसपैठ करने वाले और सक्रिय रहने वाले चार पाकिस्तानी आतंकवादियों में से प्रत्येक के लिए 5 लाख रुपये के नकद इनाम की घोषणा की। 26 जून को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के एक वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड के दौरान तीन आतंकवादी मारे गए। 11 व 12 जून को पहाडी जिले में दोहरे आतंकवादी हमलों के बाद सेना व केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के साथ पुलिस द्वारा गहन तलाशी और घेराबंदी अभियान के बीच आतंकवादियों को मार गिराया गया।

महाविद्यालय की समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर अभाविप ने सौंपा ज्ञापन

पिपलियामंडी, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। महाविद्यालय की समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् ने प्राचार्य आरके श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। 8 दिन में समस्याओं के निराकरण नही होने पर आन्दोलन की चेतावनी दी। अभाविप परिसर अध्यक्ष दिपक जाट ने सौंपे ज्ञापन में बताया महाविद्यालय के परिसर गेट पर सिक्यूरिटी गार्ड लगाया जाए, ताकि बाहरी अन्य व्यक्ति कोई अन्दर प्रवेश न कर सके, साफ-सफाई कराए, महाविद्यालय में कई जगह पान खाकर थूक रखा है। बाथरुम की सफाई की जाए, बाथरुम में पानी की व्यवस्था नही है, दरवाजे टूटे हुए है, गंदगी बहुत रहती है। पीने के पानी के लिए लगा वॉटर कूलर भी साफ-सुथरा नही है, उसके आस-पास गंदगी जमा है, इसे भी सफाई कराई जाए। महाविद्यालय में प्रवेश द्वार के सामने से पार्किंग हटाई जाए एवं बंद पडे मुख्य प्रवेश द्वार को खोल जाए।

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक -क्यू/2022 मंदसौर, दिनांक 08.07.2024

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 एई 0383 जो कि इस कार्यालय में उदेसिंह पिता मोतीसिंह निवासी भिल्याखेड़ी तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह कि वाहन स्वामी की मृत्यु दिनांक 04.12.2021 को हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु मांगीबाई पति उदेसिंह निवासी भिल्याखेड़ी तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

नालीखेड़ा में पांच....

पेज 1 से जारी

पायजेब, 15 हजार रुपए नकदी, कंचनबाई पति प्रेमचंद मालवीय के यहां से 10 हजार रुपए नकदी, लाला पिता वरदीचंद पाटीदार के घर से 45 हजार रुपए नकदी चोरी कर ले गए। घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त कर दिया। वहीं गायत्री पिता मोडीराम पाटीदार के घर का ताला तोड़ा, लेकिन यहां से कुछ ले जा नही पाए।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील मल्हारगढ़, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

फोन नं.-07424-248579, ईमेल-tehmalhargarh@gmail.com

प्रकरण क्रमांक/ /अ-20(3)/2024-25 ईश्यू नंबर 262/रीडर-1/2024

मल्हारगढ़, दिनांक-04.07.2024

मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद पिपलियामंडी..... आवेदक

विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन ..... अनावेदक

***** सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति *****

सर्व साधारण एवं जनता ग्राम खोखरा तहसील मल्हारगढ़ को यह सूचित किया जाता है कि आवेदक मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद पिपलियामंडी के द्वारा ग्राम खोखरा तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर द्वारा ग्राम खोखरा तहसील मल्हारगढ़ के सर्वे क्रमांक 409/2 रकबा 5.00 हे. में से रकबा 2.60 हे. भूमि ग्राम खोखरा में खेल स्टेडियम निर्माण के लिए आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय जिला मंदसौर को प्रस्तुत किया गया जो उपखण्ड अधिकारी के माध्यम से जांच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ। जिस पर भूमि आवंटन संबंधी प्रकरण इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है।

अतः आवेदक मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद पिपलियामंडी के द्वारा ग्राम खोखरा तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर द्वारा ग्राम खोखरा तहसील मल्हारगढ़ के सर्वे क्रं. 409/2 रकबा 5.00 हे. में से रकबा 2.60 हे. भूमि ग्राम खोखरा में खेल स्टेडियम निर्माण के लिए जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह इस विज्ञप्ति के जारी होने के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अथवा प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 19.07.2024 को स्वयं अथवा किसी वैध प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। नियत समयावधि के उपरान्त प्रस्तुत की गई किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। सर्व संबंधित सूचित हो।

आज दिनांक 04.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से उक्त विज्ञप्ति जारी की गई।

तहसीलदार

तहसील मल्हारगढ़, जिला-मंदसौर(म.प्र.)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in